>

Title : Need to check the soil erosion caused by river Ganga in Chandauli district,

Uttar Pradesh.

श्री रामकिशुन (चन्दौली): राष्ट्रीय नदी गंगा में बरसात के दिनों तथा बाढ़ के समय भारी कटान होने से उत्तर प्रदेश के जनपद चंदौली के कई दर्जन गांवों, गंगा नदी पर लगे आधे दर्जन छोटे-छोटे लिफ्ट कैनालों तथा सैंकड़ों एकड़ कृषि भूमि का अपना अस्तित्व समाप्त हो रहा है। धानापुर विकास खंड के हिंगुतर, रायपुर, नरौली, गुरैनी, नगवा, बिरासराय गांव तथा नियमताबाद ब्लॉक के मिल्कीपुर, कुंडा कला, कुंडा खुर्द, सकूराबाद आदि दर्जनों गांव गंगा कटान से पूरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। कटान के चलते हजारों एकड़ भूमि बर्बाद हो रही है तथा इस राष्ट्रीय नदी के किनारे किसानों के हजारों एकड़ खेतों के सिंचाई के लिए लगे आधा दर्जन छोटे-छोटे लिफ्ट कैनालों को भी कटान के चलते खतरा उत्पन्न हो रहा है। गुरैनी पम्प कैनाल, नगवा पम्प कैनाल, बीरासराय पम्प कैनाल के साथ-साथ कुंडा पम्प कैनाल तथा मिल्कीपुर पम्प कैनालों के स्थान को कटान से सुरक्षित रखने में भारी कठिनाई उठानी पड़ती है, जिससे इनको पूरी क्षमता और नियमित रूप से सिंचाई के समय नहीं चलाया जा पा रहा है, जिससे किसानों की हजारों एकड़ खेतों की सिंचाई बाधित होती है और इस क्षेत्र के किसानों की कृषि पैदावार लगातार घटती चली जा रही है। किसानों की आर्थिक हालत दिन प्रतिदिन खराब होती जा रही है। लगातार हो रहे गंगा के कटान को नहीं रोका गया तो जनपद चंदौली के कई दर्जन गांवों तथा नदी पर लगे छोटे-छोटे लिफ्ट कैनालों का अस्तित्व समाप्त हो जायेगा और किसानों की प्रतिवर्ष सैंकड़ों एकड़ जमीन गंगा नदी में विलीन होती चली जायेगी तथा सिंचाई की गंभीर समस्या उत्पन्न हो जायेगी।

अतः इस लोक महत्व के विषय पर सदन के माध्यम से सरकार के संज्ञान में लाते हुए मैं मांग करता हूं कि उत्तर प्रदेश के जनपद चंदौली में गंगा नदी में हो रहे कटान को रोकने के लिए भारत सरकार एक कार्य योजना बनाये, जिससे गंगा नदी में हो रही कटान को रोका जा सके तथा सिंचाई के लिए लगे आधा दर्जन लिफ्ट कैनालों के अस्तित्व को बचाया जा सके व किसानों की कट रही कृषि भूमि को बचाया जा सके।